



PROF. RATTAN LAL MITTAL

Prof. Rattan Lal Mittal is former Head of Orthopaedic Department, Principal Government Medical College, Patiala; Director, Research & Medical Education, Government of Punjab, Chandigarh and Dean as well as Chancellor's nominee Punjabi University, Patiala. He has been Member, Medical Council of India (1993-95), Chairman ESI Medical Board (1981-1995) and Sports Medicine Teacher at National Institute of Sports, Patiala.

2. Born on 23rd April, 1937, Prof. Mittal did MBBS in 1960 and M.S. in 1966 from Punjabi University, Patiala. He has been a passionate researcher in diverse areas with 135 landmark global publications. He has been strong advocate of low cost technology for LMICs (Low and Middle Income Countries), including India. He invented numerous orthopaedics instruments, viz.: Patiala Orthopedic Biopsy Needle, low cost Ring Fixator (modified Ilizarov Technique), Scoliometer, Soft T tissue Distractor, Tropometer for measuring tibial torsion and Universal Interlocking Nail Extractor (UNILEX); new surgical techniques, viz.: for Arthrodesis Wrist, Cock-up Deformity Big Toe, Hallux Valgus and Clubfoot and discovered new diseases: Traumatic Dislocation T.P tendon, Transcondylar fracture-dislocation distal humerus, Pseudomegadycty etc. all with global presentations.

3. Superannuated in April 1995, Prof. Mittal has been a passionate researcher, continuing it even more vigorously now. His special field of lifetime interest has been the grey area of extreme clubfoot deformities in which he has done pioneering original research with eleven global publications in reputed journals during the last half century. He made landmark discoveries of graded skin contractures and deeper tissues abnormalities in clubfoot, each being different and invented, all-inclusive, 4 in 1 mega surgical correction concept, correcting each and every, severest of severe deformity, achieving a UNITY of surgical correction IN DIVERSITY of deformities. He achieved, first ever, HAT TRICK of all three original research awards of Indian Orthopaedic Association periodically i.e., Silver Jubilee in 1988, Golden in 2013 and Diamond in 2018 for this three phased research. Due to his research acumen, he has been designated as Emeritus Professor Orthopaedics, in 2018, at Government Medical College, Patiala to promote research and academics.

4. Prof. Mittal has been a distinguished Orthopaedic Surgeon with numerous awards and rewards viz.: Government of India's Senior Commonwealth Fellowship to UK 1984, Indian Council Medical Research National Award for Skeletal Fluorosis in 1991, Dr. B.C. Roy National Award 1994; President, Asia-Pacific Foot & Ankle Society 2000-2002, Life Fellow National Academy Medical Sciences since 1995 etc.

5. Prof. Mittal has received other accolades, more recently, for his cutting edge research in Congenital Clubfoot viz. delivered an invited lecture at Chongqing, China in May 2017; written an invited book, on congenital clubfoot, published in USA by Taylor and Francis, released in 2018 at IOACON at Codissia Trade Centre, Coimbatore. He was specially authorized by Punjab Government in 2016-17 and performed, unprecedented, 38 free unique clubfoot surgeries, at Government Mata Kaushalya Hospital, Patiala. Once again, he has been authorized to perform free surgeries, from March 1, 2021, for Government of India's Rashtriya Bal Swasthya Karyakarm (RBSK) project, as before. Single handed, he contributed 12 free surgeries to Indian Orthopaedic Association kitty on 4th August 2016, for creating a world record of free surgeries by any country with the "World Records Academy USA". He volunteered in 1971 Indo- Pakistan War, Fazilka Sector, and provided surgical help to war casualties at War Front Hospital in a Bunker. Punjab Government honored him in 2016 for doing free Clubfoot surgeries. He is Life Member and Awardee of Indian Red Cross.



प्रो. रतन लाल मित्तल

प्रो. रतन लाल मित्तल, प्रिंसिपल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, पटियाला के ऑर्थोपेडिक विभाग के पूर्व प्रमुख; चंडीगढ़ में पंजाब सरकार के रिसर्च एंड मेडिकल एजुकेशन के निदेशक; पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के डीन तथा चांसलर के नामिनी रहे हैं। वह वर्ष 1993 से 1995 तक मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य, वर्ष 1981 से 1995 तक ईएसआई मेडिकल बोर्ड के चेयरमैन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पटियाला में स्पोर्ट्स मेडिसिन के अध्यापक रहे हैं।

2. 23 अप्रैल, 1937 को जन्मे प्रो. मित्तल ने पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला से वर्ष 1960 में एमबीबीएस और वर्ष 1966 में एमएस किया। उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में शोध करने का उत्साह दिखाया है और उनके 135 महत्वपूर्ण विश्वस्तरीय लेख प्रकाशित हो चुके हैं। वह भारत समेत एलएमआईसी (निम्न और मध्यम आय देश) के लिए सरस्ती टेक्नोलॉजी बनाने के जबर्दस्त पैरोकार रहे हैं। उन्होंने अनगिनत ऑर्थोपेडिक उपकरणों का आविष्कार किया, जैसे पटियाला ऑर्थोपेडिक बायोप्सी नीडल, लो कॉस्ट रिंग फिक्सेटर (संशोधित इल्लीजारोव तकनीक), स्कोलियोमीटर, सॉफ्ट टिशू डिस्ट्रैक्टर, टिबियल टॉर्शन को मापने के लिए ट्रॉपोमीटर और यूनिवर्सल इंटरलॉकिंग नेल एक्सट्रैक्टर (यूनीलेक्स), नई सर्जिकल तकनीक जैसे एंथ्रोडेसिस रिस्ट, कॉक-अप डिफॉर्मिटी बिग टो, हैलुक्स वैलगस और क्लबफुट को ईजाद किया और नई बीमारियों जैसे ट्रॉमेटिक डिस्लोकेशन टी.पी. टेंडन, ट्रांसकॉनडायलर फ्रैक्चर डिस्लोकेशन डिस्टल ह्यूमरस, सूडोमेगाडेक्ली की खोज की और सभी का विश्व स्तर पर प्रस्तुतीकरण किया।

3. अप्रैल, 1995 में सेवानिवृत्त हुए प्रो. मित्तल बहुत उत्साही शोधकर्ता रहे हैं और उन्होंने अब और भी जोश से उसे जारी रखा है। उनके जीवनपर्यंत रुचि का विशेष क्षेत्र एक्सट्रीम क्लबफुट विकार रहे हैं, जिनमें उन्होंने अग्रणी मौलिक शोध किया है और पिछली अर्धशती के दौरान प्रतिष्ठित विश्वस्तरीय पत्रिकाओं में ग्यारह उनके लेख प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने क्लबफुट में ग्रेडेड स्किन कांटेक्ट्स और गहरे टिशू विकारों की महत्वपूर्ण खोज की और अलग-अलग किंतु सर्वसमावेशी, 4 इन 1 मेगा सर्जिकल करेक्शन कांसेप्ट ईजाद किया जिसमें हर गंभीर से गंभीरतम विकार को ठीक किया जा सकता है। इससे उन्होंने विविध विकारों के एक साथ सर्जिकल करेक्शन की उपलब्धि हासिल की। उन्होंने इस तीन चरणों वाले शोध के लिए अलग-अलग समय पर इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के तीनों मौलिक शोध पुरस्कारों की पहली हैट्रिक बनाई यानी वर्ष 1988 में सिल्वर जुबली, वर्ष 2013 में गोल्डन और वर्ष 2018 में डायमंड। उनकी शोध प्रतिभा को देखते हुए, उन्हें वर्ष 2018 में शोध और विज्ञता को बढ़ावा देने के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, पटियाला में ऑर्थोपेडिक्स का एमेरिटस प्रोफेसर नियुक्त किया गया है।

4. प्रो. मित्तल एक विख्यात ऑर्थोपेडिक सर्जन रहे हैं, जिन्हें बहुत से पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जिनमें वर्ष 1984 में यूके के लिए भारत सरकार की सीनियर कॉमनवेल्थ फेलोशिप, वर्ष 1991 में स्केलेटल फ्लूरोसिस के लिए इंडियन काउंसिल मेडिकल रिसर्च नेशनल अवार्ड, वर्ष 1994 में डॉ.बी.सी. रॉय नेशनल अवार्ड, वर्ष 2000-2002 में एशिया पसिफिक फुट एंड एंकल सोसायटी, वर्ष 1995 से नेशनल एकेडमी मेडिकल साइंसेज के लाइफ फेलो, इत्यादि शामिल हैं।

5. प्रो. मित्तल को जन्मजात क्लबफुट में अपने मौलिक शोध के लिए हाल में कुछ अन्य सम्मान प्राप्त हुए हैं, जैसे उन्होंने मई, 2017 में चोंगकिंग, चीन में आमंत्रण पर एक व्याख्यान दिया; जन्मजात क्लबफुट पर एक किताब लिखी जिसे टेलर एंड फ्रांसिस द्वारा अमेरिका में प्रकाशित किया गया और वर्ष 2018 में कुडिसिया ट्रेड सेंटर, कोयंबटूर में आईओएसीओएन में रिलीज किया गया। वर्ष 2016-17 में पंजाब सरकार द्वारा विशेष रूप से अधिकृत किए जाने पर उन्होंने माता कौशल्या राजकीय अस्पताल, पटियाला में 38 निःशुल्क बेमिसाल क्लबफुट सर्जरी कीं। एक बार फिर उन्हें पहले की भांति भारत सरकार के आरबीएसके (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) प्रोजेक्ट के लिए 1 मार्च, 2021 से निःशुल्क सर्जरी करने के लिए अधिकृत किया गया है। उन्होंने 4 अगस्त, 2016 को अकेले इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के लिए 12 निःशुल्क सर्जरी करते हुए 'वर्ल्ड रिकार्ड्स एकेडमी यूएसए' में किसी देश द्वारा निःशुल्क सर्जरी का विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध, फाजिल्का सेक्टर में स्वयंसेवा की और एक बंकर में बने वार फ्रंट अस्पताल में युद्ध में घायल लोगों की सर्जरी करके मदद की। पंजाब सरकार ने निःशुल्क क्लबफुट सर्जरी करने के लिए वर्ष 2016 में उन्हें सम्मानित किया। वह इंडियन रेड क्रॉस के आजीवन सदस्य और पुरस्कार प्राप्तकर्ता हैं।